डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग
SNSRKS COLLEGE SAHARSA

विवाह के मान्य पद्धति:

- **ब्रह्म विवाह** - इसे सर्वोत्तम विवाह का प्रकार माना जाता था. इसमें वेदवान तथा शीलवान लड़के के साथ पिता अपनी कन्या का विवाह करता था.
- **प्रजापत्य विवाह** - यह भी ब्रह्म विवाह की भांति था. इसके तहत वर तथा वधु धर्म के आचरण द्वारा विवाह करते थे.
- **देव विवाह** - इसके तहत यज्ञ कराने वाले पुरोहित से कन्या का विवाह कर दिया जाता था.
- **आर्ष विवाह** - इसके तहत वर पक्ष द्वारा कन्या पक्ष को एक जोड़ी गाय या बैल देकर कन्या से विवाह किया जाता था.

विवाह के अमान्य पद्धति:

- **असुर विवाह -** कन्या खरीद कर किया जाने वाला विवाह
- **पिशाच विवाह** - धोखे से तथा कन्या की बिना मर्जी से किया जाने वाला विवाह
- **राक्षस विवाह** - कन्या का अपहरण करके किया जाने वाला विवाह
- **गंधर्व विवाह** - प्रेम विवाह

अनुलोम तथा प्रतिलोम विवाह: अगर उच्च वर्ण का वर निम्न वर्ण के कन्या से विवाह करें तो इसे अनुलोम विवाह कहा जाता था और यदि निम्न वर्ण का वर उच्च वर्ण की कन्या से विवाह करें तो इसे प्रतिलोम विवाह कहा जाता था|